

प्रेषक,

सन्तोष बड़ोनी,
अनुसचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक, पर्यटन,
मटेल नगर,
देहरादून।

पर्यटन अनुभाग।

देहरादून दिनांक 14 जून, 2006

विषय:- भूमि कय, अध्यापि एवं वन भूमि हस्तांतरण हेतु धनराशि निवर्तन पर रखे जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के पत्र संख्या-808/XXVII(1)/2006, दिनांक 24 अप्रैल, 2006 के सदर्थ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उत्तरांचल पर्यटन विकास परिषद हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 में भूमि अध्यापि/कय हेतु प्राविधिक धनराशि रु. 1.50 करोड़ (रुपये एक करोड़ पचास लाख मात्र) व्यय करने हेतु निदेशक, पर्यटन निदेशालय के निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि वित्तीय मंदा में अप्रति सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये बजट नियुक्त या वित्तीय हस्तानुक्ति के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्ण सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में वित्तीयता निरन्तर आवश्यक है। व्यय करते समय वित्तीयता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में विहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3-उक्त धनराशि इस शर्त के अधीन स्वीकृत की जा रही है कि उक्त निर्माण हेतु वन विभाग की अनुमति प्राप्त करते हुए उसकी पूरी कार्य योजना शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।

4-कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना की स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5-स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्हीं मंदा में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत की जा रही है, मदा परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं होगा।

6-वित्तीय वर्ष के अन्त में कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र भी शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।

7-कार्य कराने से पूर्व स्थल का भू-भौतिक निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्भवेत्ता के साथ आवश्यक करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्ट के अनुरूप कार्य किया जाय।

8-स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग कर वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। वन विभाग को धनराशि प्राप्त होने के उपरान्त इसकी सूचना शासन को दी जायेगी।

9-लैण्ड बैंक की स्थापना हेतु विस्तृत प्रस्ताव/प्रक्रिया/नियमावली शासन को मध्याह्न उपलब्ध करायी जायेगी व उसके प्रख्यापन के उपरान्त ही लैण्ड बैंक हेतु धनराशि व्यय की जायेगी।

10-उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सागान्ध-आयोजनागत-104-सम्बन्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-19-पर्यटक आवास गृहों/पर्यटन विकास योजनाओं के लिये भूमि अध्यापि/कय-42-अन्य व्यय के नामे खाला जायेगा।

11-उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अपरा050सं0-116/XXVII(2)/2006, दिनांक 23 मई, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(सन्तोष बड़ोनी)
अनुसचिव।

५

संख्या- -VI/2006-5(23)2006, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।

2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।

- 3- आयुक्त, गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल।
- 4- समस्त जिलाधिकारी।
- 5- समस्त जिला पर्यटन विकास अधिकारी।
- 6- वित्त अनुभाग-2।
- 7- श्री एल०एम०पन्ना, अपर सचिव वित्त, बजट अनुभाग।
- 8- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 9- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी उत्तरांचल शासन।
- 10- निजी सचिव, मा० पर्यटन मंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 11- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर।
- 12- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

[Signature]

(सन्तोष बरौनी)
अनुसचिव।

h

6